नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–I

(संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. देवताओं का स्वरूप निर्धारण कीजिए।
2. शाखा का अर्थ स्पष्ट करते हुए ऋग्वेद की शाखाओं पर प्रकाश डालिए।
3. यजुर्वेद के प्रतिपाद्य विषय को संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए।
4. स्तोत और विष्टुति का भेद स्पष्ट करते हुए सामगान के भेदों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।
5. अथर्ववेद के वर्ण्यविषय पर सर्वांगीण विवेचन कीजिए।
6. ब्राह्मण साहित्य का संक्षेप में सारगर्भित परिचय दीजिए।
7. आरण्यक का परिचय देते हुए ऋग्वेदीय आरण्यकों पर प्रकाश डालिए।
8. उपनिषद् में रहस्य विधा क्या है? इस पर एक लेख लिखिए।
9. "व्याकरण" नामक वेदांग का परिचय दीजिए।
10. प्रतिशाख्य साहित्य पर भेद सहित प्रकाश डालिए।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2018

M.A. Sanskrit, Part–I

Date	***Paper***	***Time***	***Examination Centre***
02.04.2018	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
04.04.2018	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
06.04.2018	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
10.04.2018	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
12.04.2018	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
14.04.2018	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
16.04.2018	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
18.04.2018	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–II

(लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. "उदिते नैषधे काव्ये क्व माघः क्व च भारवि" – इस उक्ति का विवेचन कीजिए।
2. संस्कृत साहित्य के ऐतिहासिक महाकाव्य का परिचय दीजिए।
3. श्रृंगारमूलक गीतिकाव्य में अमरूक कवि का स्थान निरूपित कीजिए।
4. गद्य–काव्य के भेदों का उल्लेख करते हुए उनकी विशेषताओं की समीक्षा कीजिए।
5. संस्कृत लोककथा साहित्य में बौद्ध धर्मावलम्बियों के प्रयासों का विश्लेषण कीजिए।
6. टिप्पणी लिखिए –

   (क) वेताल पंचविंशति (ख) जातकमाला
7. पंचतंत्र की विशेषताओं की समीक्षा कीजिए।
8. "कालिदास का अभिज्ञानशाकुन्तल" नाटक विश्व नाट्य साहित्य में विख्यात है – इस कथन की तर्कसम्मत समीक्षा कीजिए।
9. "मुद्राराक्षस" नाटक की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।
10. आधुनिक संस्कृत साहित्य का विवेचन कीजिए।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2018

M.A. Sanskrit, Part–I

Date	***Paper***	***Time***	***Examination Centre***
02.04.2018	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
04.04.2018	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
06.04.2018	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
10.04.2018	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
12.04.2018	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
14.04.2018	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
16.04.2018	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
18.04.2018	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–III

(भाषा विज्ञान तथा लिपि विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. 'भाषा में ध्वनियों के चयन एवं क्रमिकता' के महत्त्व का विवेचन कीजिए ।
2. भाषा और विभाषा के अन्तर का सम्यक् निरूपण कीजिए ।
3. पारिवारिक वर्गीकरण से आप क्या समझते हैं ? पारिवारिक वर्गीकरण के आधार पर प्रकाश डालिए ।
4. वैदिक–लौकिक संस्कृत की तुलना कीजिए ।
5. स्वरों का वर्गीकरण कीजिए ।
6. अर्थ परिवर्तन के कारणों का विवेचन कीजिए ।
7. संस्कृत के वाक्य भेदों की सोदाहरण विवेचना कीजिए ।
8. कारक भेदों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
9. उदात्त–अनुदात्त स्वरित से क्या समझते हैं ? सोदाहरण उत्तर दीजिए ।
10. नागरी लिपि की समस्याओं का उल्लेख करते हुए समाधान के लिए किये गये प्रस्तावों का विवेचन कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2018

M.A. Sanskrit, Part–I

Date	***Paper***	***Time***	***Examination Centre***
02.04.2018	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
04.04.2018	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
06.04.2018	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
10.04.2018	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
12.04.2018	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
14.04.2018	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
16.04.2018	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
18.04.2018	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–IV

(भारतीय दर्शन एवं संस्कृति)

वार्षिक परीक्षा, 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

प्रत्येक खण्ड से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड–क (भारतीय दर्शन)

1. भारतीय दर्शन–सम्प्रदायों की महत्त्वपूर्ण विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
2. बौद्ध और जैन दर्शन का निरूपण संक्षेप में कीजिए।
3. चार्वाक की तत्त्वमीमांसा का विवेचन कीजिए।
4. न्याय–दर्शन के आधार पर प्रत्यक्ष–प्रमाण का परिचय दीजिए।
5. पुरूष एक है या अनेक? सांख्य–दर्शन के अनुसार युक्ति–सहित विवेचन कीजिए।

खण्ड–ख (भारतीय संस्कृति)

6. भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताओं का निरूपण कीजिए।
7. ऋग्वैदिक समाज का परिचय दीजिए।
8. संयुक्त परिवार की विशेषताएँ बताते हुए अतिथि–सत्कार के महत्त्व का वर्णन कीजिए।
9. शैशव संस्कारों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
10. वानप्रस्थ तथा संन्यास आश्रमों का वर्णन कीजिए।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2018

M.A. Sanskrit, Part–I

Date	***Paper***	***Time***	***Examination Centre***
02.04.2018	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
04.04.2018	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
06.04.2018	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
10.04.2018	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
12.04.2018	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
14.04.2018	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
16.04.2018	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
18.04.2018	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–V

(संस्कृतेतर भारतीय भाषाएँ)

वार्षिक परीक्षा, 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. अनुपिटक साहित्य का परिचय दीजिए ।
2. पालि अभिलेखों का परिचय दीजिए ।
3. अर्धमागधी के महत्त्व का विवेचन कीजिए ।
4. हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन एवं नामकरण पर विचार कीजिए ।
5. हिन्दी के आदिकालीन साहित्य का परिचय प्रस्तुत कीजिए ।
6. छायावाद की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
7. कृत्तिवास रामायण का परिचय दीजिए ।
8. स्वातंत्र्योत्तर मराठी साहित्य का परिचय दीजिए ।
9. तमिल साहित्य के इतिहास के काल विभाजन पर प्रकाश डालिए ।
10. किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणी लिखिए –
    (क) सन्देश रासक
    (ख) सुब्रमण्यभारती
    (ग) रीतिकाल की प्रवृत्तियां
    (घ) तेलुगु का रामकाव्य

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2018

M.A. Sanskrit, Part–I

Date	***Paper***	***Time***	***Examination Centre***
02.04.2018	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
04.04.2018	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
06.04.2018	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
10.04.2018	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
12.04.2018	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
14.04.2018	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
16.04.2018	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
18.04.2018	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–VI

(संस्कृत व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. प्रत्याहार विधायक सूत्र का वर्णन करते हुए प्रत्याहार की उपयोगिता का वर्णन कीजिए ।
2. निम्नलिखित में किन्हीं चार संज्ञाओं का लक्षण उदाहरण के द्वारा समझा कर लिखें :–
   (i) पद (ii) प्रातिपदिक (iii) टि
   (iv) उपधा (v) उपसर्ग (vi) संहिता
3. विसर्ग संधि किसे कहते हैं ? विसर्ग संधि विषयक पाँच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।
4. सूत्रनिर्देश पूर्वक किन्हीं चार का रूप सिद्धि कीजिए :–
   (i) गवाग्रम (ii) विष्णूदयः (iii) नायकः (iv) तच्छिवः
   (v) विद्वाँल्लिखति (vi) उत्थानम् (vii) शिवच्छाया (viii) सम्राट्
5. कारक किसे कहते हैं ? उनके नाम और विभक्ति का उल्लेख करते हुए कारक और विभक्ति के अन्तर को उदाहरण के साथ समझाइए ।
6. निम्नलिखित में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (i) झयो होऽन्यतरस्याम् (ii) मोऽनुस्वारः (iii) झलां जशोऽन्ते
   (iv) यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा (v) प्लुजप्रगृह्था अचि नित्यम् (vi) एङि पररूपम्
   (vii) इको यणचि (viii) आद्गुणः
7. तत्पुरूष समास किसे कहते हैं ? इसके विभिन्न भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
8. निम्नलिखत में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (i) अधि–शीङ्–स्थासां कर्म (ii) परिक्रयणे सम्प्रदानम् अन्यजस्क् (iii) येनाङ्गविकारः
   (iv) ध्रुवमपायेऽपादानम् (v) कर्तृकर्मणोकृतिः (vi) क्तस्य च वर्तमाने
   (vii) दिवः कर्म च (viii) स्वतन्त्रः कर्ता
9. अधोलिखित किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (i) प्रथमानिर्दिष्टं समास उपसर्जनम् (ii) शेषाद्विभाषा (iii) अनेकमन्यपदार्थे
   (iv) चार्थे द्वन्द्वः (v) द्वन्द्वश्च प्राणितूर्य–सेनाङ्गानाम् (vi) राजदन्तादिषु परम्
   (vii) परवत् लिंङ्ग द्वन्द्वतत्पुरूषयोः (viii) उपपदमतिङ्
10. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पदरूपों का समास विग्रह पूर्वक रूप सिद्धि कीजिए :–
    (i) उपसमिधम् (ii) नरवभिन्नः (iii) परमराजः (iv) पितरौ
    (v) रूपवद्भार्यः (vi) प्राचार्यः (vii) पीताम्बरः (viii) द्वित्राः

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2018

M.A. Sanskrit, Part–I

Date	*Paper*	*Time*	*Examination Centre*
02.04.2018	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
04.04.2018	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
06.04.2018	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
10.04.2018	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
12.04.2018	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
14.04.2018	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
16.04.2018	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
18.04.2018	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–VII

(भारतीय काव्य शास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. दण्डी और भामह कृत काव्य लक्षणों की समीक्षा कीजिए।
2. महाकाव्य का लक्षण–निरूपण कीजिए।
3. दृश्य काव्य के भेदोपभेद का परिचय दीजिए।
4. ध्वनिकाव्य के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए, उसके प्रमुख भेदों का उल्लेख कीजिए।
5. शब्दशक्तियों का परिचय दीजिए।
6. काव्यदोष को परिभाषित करते हुए दोषों का वर्गीकरण कीजिए।
7. रसवादी आचार्यों के अनुसार काव्यगुणों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
8. साधारणीकरण के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए रसानुभूति में उसकी भूमिका पर विचार कीजिए।
9. औचित्य को काव्य का प्राण मानना कहाँ तक उचित है? युक्तिपूर्ण उत्तर दीजिए।
10. निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण परिचय दीजिए –
    अनुप्रास, उपमा, अर्थान्तरन्यास, विभावना

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
एम०ए० (संस्कृत)
पार्ट–I, पत्र–VIII (संस्कृत रचना)
वार्षिक परीक्षा, 2018

समय : 3 घंटे | पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जिसमें प्रश्न सं०–1 अनिवार्य है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किसी ***एक*** विषय पर संस्कृत में कम–से–कम 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए :–
(क) भूमण्डलीकरणे साहित्यस्य स्थितिः (ख) उच्चशिक्षायाः निजीकरणम् (ग) संगणकः

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :–
(i) परिश्रम के बिना विद्या नहीं होती। (ii) सीता नहाकर पूजा करती है। (iii) संस्कृत भाषा पढ़नी चाहिए।
(iv) बालक शेर से डरता है। (v) राजा चोर को दण्ड देता है। (vi) नदी एक कोस तक टेड़ी है।
(vii) जटा से तपस्वी प्रतीत होता है। (viii) वह पढ़ने के लिए दिल्ली गया। (ix) गुरू शिष्य को पढ़ाता है।
(x) बाल्मीकि ने रामायण की रचना की। (xi) सत्य एवं प्रिय बोलो।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :–
निकषा, बिभेति, श्वः, कुत्र, पठित्वा, आगम्य, गच्छन्, स्वस्ति, स्नातुम्, कदा, प्रातः, पाठयति ।

4. उचित शीर्षक देते हुए निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण कीजिए –

दुःखसुश्वचक्रमारूढः अयं संसारः । शरीरिणं कदाचित् दुःखम् अनुबहनाति कदाचित् सुखम। जगतीह विधात्रा मृत्युपर्यन्तं केवलं दुःखं सोढुं नादिष्टः, सुखमपि जीवने लभ्यते। दुःखसुखसहितं सर्वविश्वजातम् । यदि जीवं दुःखमनुसरति तदा सुखमपि तं वृणुते । क्षणे–क्षणे विश्वचत्वरे या घटना भवित सा अवश्यमेव नूतनत्वमलौकिकत्वं च शंसति। चिराय न कस्यापि वस्तुनो विद्यमानता। योऽद्य रूक्मभूषितं शयनमधिशेते तं प्राप्तसम्पदालोकं लोको नमस्करोति। स एव काले कालेनाक्रान्तो भूत्वा चेखिद्यते, परे वितीर्णाम् वृत्तिं भूङ्क्ते। योऽद्य नानाकष्टापन्नो, विगतविभवः अधिगतपराभवश्च वर्तते स एव आनुकूल्यं प्राप्त कष्टोदधिं तीख धनं कीर्तिं च प्राप्नोति।

5. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

स्वतन्त्रता–दिवसः भारतवर्षसय राष्ट्रियः उत्सवः अस्ति। अयम् उत्सवः अगस्तमासस्य पञ्चदश्यां तिथौ भवति। पूर्वं भारतदेशः पराधीनः आसीत्। अस्मिन् एव दिवसे 1947 तमे वर्षे अस्माकं देशः स्वतन्त्रोऽभवत्। अतएव भारतीयाः प्रतिवर्षं एतस्मिन्नेव दिवसे इमम् उत्सवं समायोजयन्ति। लोकमान्यः बालगङ्गंगाधर तिलकः, महात्मा गांधी, राजेन्द्र प्रसादः, बल्लभभाई पटेलः, जवाहरलालनेहरूः एते अन्ये च अनेके महापुरूषाः भारतदेशस्य स्वतन्त्रतायै महान्तं प्रयत्नमकुर्वन्। भारतस्य स्वतन्त्रतायै भगतसिंहसुखदेवादयः अनेके देशभक्ताः स्वप्रणान् अत्यजन्। दिल्लीनगरे एतस्य उत्सवस्य शोभा अतीव रमणीया भवति। एतस्मिन् दिवसे प्रातः लालकिलानामके दुर्गप्रकारे अस्माकं देशस्य प्रधानमंत्री ध्वजारोहणं करोति। ध्वजारोहणानन्तरं प्रधानमंत्री देशवासिनः सन्दिशति। शत्रौ विद्युद्दीपकैः सर्वाणि राष्ट्रियभवनानि शोभन्ते। एतस्मिन्नेव दिवसे वयं प्रतिज्ञां कुर्मः यद् वयं श्रेष्ठाः नागरिकाः भविष्यामः भारतस्य सर्वविधविकासाय प्रयत्नशीलाः भविष्यामः अस्य च स्वतन्त्रतां प्राणपणेन रक्षिष्यामः च।

प्रश्नाः– (i) भारतवर्षस्य राष्ट्रियः उत्सवः कोऽस्ति? (ii) स्वतन्त्रतादिवसः कदा सम्पद्यते?
(iii) भारतभूमेः स्वतन्त्रायै के महान्तं प्रयत्नमकुर्वन्? (iv) भारतस्य स्वतन्त्रायाः कृते के प्राणान् अत्यजन्?
(v) प्रधानमंत्री कुत्र ध्वजारोहणं करोति? (vi) स्वतन्त्रतादिवसे अस्माभिः का प्रतिज्ञा कर्त्तव्या?
(vii) रात्रौ सर्वाणि राष्ट्रियभवनानि कथं शोभन्ते? (viii) अस्य अनुच्छेदस्य समुचितं शीर्षकं लिखत?

6. हिन्दी में अनुवाद कीजिए –

एकः स्थूलकायः कुक्कुरः रोटिकाखण्डं मुखे धृत्वा कुत्रचित् गच्छति स्म। मार्गे नद्यां काष्ठस्य सेतुरासीत्। कुक्कुरः सेतुमध्ये आगत्य जले स्वप्रतिबिम्बं दृष्टवान। प्रतिबिम्बं दृष्ट्वा मनसि व्यचिन्तयत् – "अयं कश्चित् दुर्बलः कुक्कुरः अस्ति। अहं बलात् तस्य रोटिकां हरामि।" एवं विचार्य यदैव तस्य रोटिकां हर्तुं मुखं व्याददाति तस्य मुखात् रोटिकाखण्डं जले पतितम्।

7. अपने प्राचार्या को आर्थिक सहायता के लिए संस्कृत में एक आवेदन लिखिए ।

8. (क) रिक्त स्थानों की पूर्ति सामने दिए गए पदों के विकल्प से चयन कर कीजिए :–
(i) ..... समं न हि किञ्चित् (ज्ञानेन, ज्ञानस्य) (ii) अद्य ..... महाविद्यालये महोत्सवः विद्यते (माम्, मम)
(iii) .....पन्थानं पृच्छति। (माणवके, माणवकं) (iv) .....स्वच्छतया कार्यं कुरूतम् (युष्मान्, युष्माभिः)
(v) .....धैयर्म् अधिकम् (त्वयि, तुभ्यम्) (vi) शिक्षिका.....बोधयति (युष्मान्, यूयम्)
(vii) .....कतमः न्यायस्य पण्डितः अस्ति (अस्माकम्, अस्मासु) (viii) तडागे ..... जलम् अस्ति (कति, कियत्)
(ix) ..... पठितुं वाञ्छामि (भवतः, भवान्) (x) ..... रामायणं लिखितवान् (केन, कः)
(xi) ..... साकं कः गच्छति (रामस्य, रामेण) (xii) ..... मम गृहम् अस्ति (अयम्, इदम्)
(xiii) ..... बालकस्य पिता देहल्यां तिष्ठति (तस्य, तेन) (xiv) कालिदासेन ..... नाटकानि रचितानि (त्रीणि, त्रयः)
(xv) रूदतः ..... माता कार्यालयम् जगाम (पुत्रस्य, पुत्रम्) (xvi) ..... पठनं रोचते (त्वं, तुभ्यम्)

9. (क) निम्नलिखित पदों में किन्हीं आठ के पद विग्रह लिखिए –
(i) निर्भयं (ii) भ्रातरौ (iii) दण्डादण्डि (iv) गजाननः
(v) चित्रगुः (vi) शुभानना (vii) नीलकण्ठः (viii) जितेन्द्रियः (ix) मृगनयनी

(ख) अनेक शब्दों के स्थान पर किन्हीं आठ के एक पद लिखिए –
(i) धनं आकांक्षति (ii) अधीता विद्या येन सः (iii) रूपं पश्यति (iv) शोभनं हृदयं यस्य सः
(v) आत्मनः पुत्रम् इच्छति (vi) गाण्डीवं धनुं यस्य सः (vii) दशरथस्य अपत्यं पुमान् (viii) चत्वारि मुखानियस्य सः
(ix) कृष्णः इव आचरति (x) पुत्रेण सह विद्यमानः (xi) दुःखम् अनुभवति (xii) यशः एव धनं यस्य सः

10. संस्कृत के महत्त्व का वर्णन करते हुए अपने मित्र को संस्कृत में एक पत्र लिखिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–IX

(वेद तथा उपनिषद)

वार्षिक परीक्षा, 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. वैदिक आर्यों के जीवन में अग्नि के महत्व पर प्रकाश डालिए ।
2. सूर्य की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।
3. अधोलिखित मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए –

   (क) अग्निनां रयिमंश्नवत पोषंमेव दिवे दिंये ।
   यशसं वीरवत्तमम् ।।

   (ख) अनुंव्रतः पितुः पुत्रो मात्रा भंवतु संमंनाः ।
   जाया पत्ये मधुमतीं वाचं वदतु शन्तिवाम् ।।
4. उषा शब्द का निर्वचन यास्क के अनुसार लिखिए ।
5. सामाजिक दृष्टि से 'सामनस्यम्' सूक्त के महत्त्व की विवेचना कीजिए ।
6. स्वाध्याय और प्रवचन के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।
7. 'पंचक' क्या है' ? इसे स्पष्ट रूप से समझाए ।
8. आचार्य द्वारा दिये गये दीक्षान्त–भाषण लिखिए ।
9. याज्ञवल्क्य ने मैत्रेयी को क्या–क्या उपदेश दिये ?
10. अधोलिखित मंत्रों में से किन्हीं दो मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या लिखिए :–

    (क) ''इदं सर्व यदयमात्या ।''

    (ख) ''आत्मा वा अरे दृष्टव्यः श्रोतव्यो मन्तव्यो निदिध्यासितव्यः ।''

    (ग) ''एवं सर्वेषां वेदानां वागेकायनम् ।''

    (घ) ''न प्रेत्य संज्ञाऽस्ति इति अरे ब्रवीमि इति ।''

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2018

M.A. Sanskrit, Part–II

Date	*Paper*	*Time*	*Examination Centre*
25.05.2018	Paper–IX	8.00 AM to 11.00 AM	Nalanda Open University, Patna
29.05.2018	Paper–X	8.00 AM to 11.00 AM	Nalanda Open University, Patna
31.05.2018	Paper–XI	8.00 AM to 11.00 AM	Nalanda Open University, Patna
02.06.2018	Paper–XII	8.00 AM to 11.00 AM	Nalanda Open University, Patna
04.06.2018	Paper–XIII	8.00 AM to 11.00 AM	Nalanda Open University, Patna
06.06.2018	Paper–XIV	8.00 AM to 11.00 AM	Nalanda Open University, Patna
08.06.2018	Paper–XV	8.00 AM to 11.00 AM	Nalanda Open University, Patna
12.06.2018	Paper–XVI	8.00 AM to 11.00 AM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–X

(प्राचीन संस्कृत पद्यकाव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. संस्कृत के प्रमुख महाकव्यों के विषय में संक्षेप में बताइए ।
2. महर्षि बाल्मीकि का संक्षिप्त परिचय देते हुये वर्तमान समय में रामायण की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए ।
3. किष्किन्धा कांड में प्रकृति और उसके मानवीकरण पर प्रकाश डालिए ।
4. सुग्रीव का चरित्र चित्रण कीजिए ।
5. भारतीय दर्शन का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
6. गीता के ज्ञान योग की विवेचना कीजिए ।
7. स्थितप्रज्ञ के लक्षण लिखिए ।
8. विदुर नीति का स्रोत एवं परिचय दीजिए ।
9. नीतिकाव्यों और उपदेशकाव्यों में अन्तर पर प्रकाश डालिए ।
10. निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए :–

    (क) उपकारेण वीरो हि प्रतीकारेण युज्यते
    अकृतज्ञोऽप्रतिकृतो हन्ति सत्त्वषतां मनः

    (ख) वासांसि जीर्णानि यथा विहाय
    नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि
    तथा शरीराणि विहाय जीर्णानि
    अन्यानि संयाति नवानि देही ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XI

(मध्यकालीन एवं आधुनिक संस्कृत काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किन्हीं ***दो*** पद्यों की व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए :–

   (क) सा पद्मरागं वसनं वसाना पद्माानना पद्मदलायताक्षी ।
   पद्मा किपद्मा पतितेव लक्ष्मीः शुशोष पद्मस्रगिवातपेन ।

   (ख) तां सैव वेत्र–ग्रहणे नियुक्ता राजान्तरम् राजसुतां निनाय ।
   समीरिणोत्थेव तरङ्ग–लेखा पद्मान्तरं मानस राजहंसीम् ।

   (ग) सेवार्थमादर्शमनन्यचित्तो विभूषयन्त्या मम धारयित्वा ।
   बिभर्ति सोऽन्यस्य जनस्य तं चेन् नमोऽस्तु तस्मै चलसौह्रदाय ।।

   (घ) विलम्बहारा चलयोक्त्रका सा तस्मात् विमानात् विनता चकाशे ।
   तपःक्षपात् अप्सरसां वरेव च्युतंविमानात् प्रियमीक्षमाणा ।

2. निम्नलिखित पद्यों का अनुवाद हिन्दी में कीजिए :–

   (क) अनारतं तेन पदेषु लम्भिता विभज्य सम्यग्–विनियोग–सत्क्रियाः ।
   फलन्त्युपायाः परिबृंहितायतीः उपेत्य सङ्घर्षमिवार्थ सम्पदः ।

   (ख) तेषां महार्हासनसंस्थितानाम् उदार–नेपथ्यभृतां समध्ये ।
   रराज धाम्ना रघुसुनुरेव कल्पद्रुमानामिव पारिजातः ।

3. संस्कृत–काव्य–रचना के उद्भव का विवेचन कीजिए ।

4. ''महाभारत को विकासमान महाकाव्य (epic of growth) कहा गया है''–इस कथन की विवेचना कीजिए ।

5. भामह द्वारा दिये गये महाकाव्य के लक्षण की आलोचना कीजिए ।

6. बौद्धकवि के रूप में अश्वघोष के महत्त्व का निरूपण कीजिए ।

7. महाकवि कालिदास की नाट्यकृतियों का वर्णन कीजिए ।

8. रघुवंश महाकाव्य की कथावस्तु का विश्लेषण कीजिए ।

9. सौन्दरनन्द की समीक्षा ''महाकाव्य के रूप में'' कीजिए ।

10. वनेचर द्वारा वर्णित दुर्योधन के शासन का परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XII

(संस्कृत-गद्यकाव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. ''बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वं'' –इस उक्ति की समीक्षा कीजिए ।

2. निम्नलिखित संदर्भों की व्याख्या कीजिए :–
   (क) अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिदूरम् आत्मेच्छया यौवनसमये पुरूषं प्रकृतिः ।
   (ख) दिवसकरगतिरिव प्रकटितविविध–संक्रान्ति ।

3. निम्नलिखित गद्यांशों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
   (क) अहंकार–दाहज्वर –मूर्च्छान्धकारिता विह्वला हि राजप्रकृतिः अलीकाभिमानोन्मादकारिणी धनानि । राज्य–विष विकार तन्द्राप्रदा राजलक्ष्मी ।
   (ख) न परिचयं रक्षति । नाभिजनमीक्षते । न रूपमालोकयते । न कुलक्रममनुवर्तते । न शीलं पश्यति । न वैदग्ध्यं गणयति । न श्रुतमाकर्णयति । न धर्ममनुरूध्यते । न त्यागमाद्रियते । न विशेषज्ञतां विचारयति । नाचारं पालयति । न सत्यमनुबुध्यते । न लक्षणं प्रमाणीकरोति ।

4. शुकनासोपदेश के आधार पर यौवन के दोषों का वर्णन करते हुये गुरूपदेश के महत्व को अपने शब्दों में लिखिए ।

5. मैत्रीबल जातक की विषय वस्तु प्रस्तुत कीजिए तथा इसमें निहित सन्देश का निरूपण कीजिए ।

6. शिबिजातक के आधार पर राजा और अमात्यों के बीच संवाद का निरूपण अपने शब्दों में कीजिए ।

7. निम्नलिखित संदर्भों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
   (क) अथ तस्य राज्ञः क्रमात् संरूढनयन–व्रणस्य अवगीत–प्रतनूभूतान्तःपुर–पौर–जानपदशोकस्य प्रविवेककामत्वाद् उद्यान–पुष्करिण्यास्तीरे कुसुम–भारावनत–रूचिर–तरूवरनिशिते मृदु–सुरभि–शिशिर–सुखपवने मधुकर–गणोपकूजिते पर्यङ्केण निषण्णस्य शक्रो देवेन्द्रः पुरस्तात् प्रादुरभवत् ।
   (ख) स कृतसंस्कारक्रमो जातकर्मादिभिरभिवर्धमानः प्रकृति–मेधावित्वात् सानाध्यविशेषाज्ज्ञानकौतूहलाद् अकौसीद्याच्च नचिरेणैवाष्टादशसु विद्यास्थानेषु स्वकुलक्रमाविरूद्धासु च सकलासु कलास्वाचाय कं पदमवाप ।

8. अम्बिकादत्तव्यास की गद्यशैली का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

9. शिवराजविजय के प्रथम निश्वास में वर्णित भारतवर्ष की दुरवस्था का वर्णन कीजिए ।

10. पं० रामकरण शर्मा की कृतियों एवं उनकी शैली का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XIII

(संस्कृत रूपकम)

वार्षिक परीक्षा, 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. रूपक के भेदों का परिचय दीजिए ।
2. नायक और नायिका को परिभाषित करते हुये उनके भेदों पर प्रकाश डालिए ।
3. नाटक में नान्दी पाठ एवं भरत वाक्य पर एक निबन्ध लिखिए ।
4. 'मृच्छकटिकम्' के प्रथम अंक को अलंकारन्यास नामक अंक क्यों कहा गया है ?
5. 'मृच्छकटिकम्' के प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
6. 'मुद्राराक्षस' की कथावस्तु की मीमांसा कीजिए ।
7. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' की कथावस्तु संक्षेप में लिखते हुये इसके चतुर्थ अंक की विशेषताएँ लिखिए ।
8. 'उत्तररामचरित' को संस्कृत–साहित्य में मूर्द्धन्य नाटक माना जाता है'–इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
9. 'अपूर्वः प्रतिशोधः' के आधार पर द्रौपदी का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
10. 'नीड निर्माणाम्' की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XIV

(व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

खण्ड 'अ' एवं खण्ड 'ब' से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड–"अ"

1. निम्नलिखित शब्द–युग्मों का अर्थ भेद बताइए :–
   (क) सूर्या–सूरी (ख) उपाध्याया–उपाध्यायी
   (ग) पारिगृहीता–पाणिगृहीती (घ) यवनी–यवनानी

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पदों के रूप सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्ध कीजिए :–
   (क) किशोरी (ख) पृथ्वी
   (ग) मातुलानी (घ) शूर्पनखा
   (ङ) सीमा

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की व्याख्या कीजिए :–
   (क) षिद्गौरीदिभ्यश्च (ख) ऊङुतः
   (ग) डाबुभाभ्यामन्यतरस्याम् (घ) अजाद्यतष्टाप्
   (ङ) शाङ्गखाद्यञो ङीन्

4. निम्नलिखित पद्रूपों का सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिए :–
   (क) लभ्यम् (ख) चयेम्
   (ग) अमावस्या (घ) स्तुत्यः

5. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं ***चार*** का सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) अभिप्रत्यतिभ्यः क्षिपः (ख) अणावकर्मकात् चित्तवत्कर्तृकात्
   (ग) व्याङ्परिभ्यो रमः (घ) प्राद्वहः
   (ङ) विभाषाऽकर्मकात्

6. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) लटः शतृशानचावप्रथमासमानाधिकरणे (ख) ईद्यति
   (ग) तयोरेवकृत्यक्तखलर्थाः (घ) वाऽसरूपोऽस्त्रियाम्

खण्ड–"ब"

7. आत्मनेपद प्रक्रियो से सम्बद्ध किन्हीं पाँच सूत्रों का निरूपण कीजिए ।

8. कर्तृवाचक कृत् प्रत्यय किसे कहते हैं । एतत्सम्बद्ध किन्हीं पाँच प्रत्ययों का सूत्र निर्देशपूर्वक निरूपण कीजिए ।

9. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :–
   उणादि, भाववाचक कृत्, भविष्यकालिक कृत्, निमितार्थक कृत्

10. कृत्य प्रत्यय कितने हैं ? उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XV

(संस्कृत शास्त्रों का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. दैवी सिद्धान्त के आधार पर नाट्यशास्त्र की समीक्षा प्रस्तुत कीजिए ।
2. प्राक् वराहमिहिर कालीन ज्योतिष के योगदान का वर्णन कीजिए ।
3. आयुर्वेद का ऐतिहासिक परिचय दीजिए ।
4. अष्टांग आयुर्वेद का परिचय दीजिए ।
5. वैदिक एवं वेदांगीय व्याकरण का ऐतिहासिक परिचय दीजिए ।
6. पाणिनि और उनकी अष्टाध्यायी पर प्रकाश डालिए ।
7. कोश शास्त्रीय इतिहास पर निबन्ध लिखिए ।
8. कोश विद्या के क्षेत्र में अमर सिंह के योगदान का उल्लेख कीजिए ।
9. धर्मशास्त्र की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए ।
10. टिप्पणी लिखिए :–
    (क) सुश्रत
    (ख) बृहत्त्रयी

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत), पार्ट–II, पत्र–XVI

(संस्कृत रचना)

वार्षिक परीक्षा, 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए :–
   (क) भारवेरर्थगौरवम् (ख) काव्यप्रयोजनम् (ग) प्रियः नाटककारः

2. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों का संशोधन करें :–
   (क) सा पवित्रः गङ्गाजलम् आनयति। (ख) पुरातनं भारते संस्कृतं जनभाषा आसीत् ।
   (ग) विद्वानस्य वाक् सुमिष्टा । (घ) हनुमानाय नमः ।
   (ङ) वहमानं जले स्नानं कुरु । (च) वर्धमानैः कमलानि सरोवरः शोभते ।
   (छ) रामेण रावणः हतमान् । (ज) नीरजः सुलेखः लिखितः ।
   (झ) ते व्याघ्रात विभ्यन्ति । (ञ) अहं श्वः विद्यापयं गच्छिष्यामि ।
   (ट) भवानस्य गृहं कुत्र विद्यते । (ठ) शिष्यः गुरुं सेवति ।
   (ड) भवान् संस्कृतं पठसि लिखसि च । (ढ) साहित्यं संगीतञ्च मम जीवनेः ।
   (ण) आरक्षकः धावतं चोरम् अनुधावति । (त) सुपुत्रः पितुः गर्वास्पदः ।

3. द्वितीया विभक्ति सम्बद्ध किन्हीं पाँच सूत्रों की सोदाहरण विवचना कीजिए ।

4. निम्नलिखित रेखांकित शब्दों में सूत्र निर्देशपूर्वक विभक्ति–निर्देश कीजिए :–
   (क) गुरुः <u>शिष्यं</u> संक्रुध्यति । (ख) <u>धनात्</u> ज्ञानं गुरुतरम् ।
   (ग) <u>मम</u> मया वा सेव्यो हरिः । (घ) <u>केशेषु</u> चमरीं हन्ति ।

5. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण कीजिए एवं समुचित शीर्षक लिखिए :–
   नियमपूर्वकं विधीयमानो व्यायामो हि फलप्रदो भवति । स च व्यायामो द्विधः श्रूयते । व्यायामेन वपुषः सर्वेषु अङ्गेषु मर्मस्थलेषु रक्तसञ्चारः समीचीनतया सम्पपते । तेन गात्रं परिपुष्टं जायो । परिपुष्टे स्वस्थे गात्रे हि मनोऽपि स्वस्थं प्रसन्नञ्च भवति । सर्वाङ्गीणा स्फूर्तिः विवर्धते, बुद्धिस्तेजो यशो बलञ्च सुतरां प्रवर्धन्ते । व्यायाममहिम्ना एव वक्षःस्थलं विशालं नेत्रयुगलं तरलं तेजस्वि च, धनगात्रविभक्तता चानासायेन सुसम्पन्ना भवति । यद्यपि व्यायामस्य अनेके भेदा दृश्यन्ते यथा वारितरणम्, आरोहणं, धावनं, प्राणायामः योगासनानि, सूर्यनमस्कारः तथापि ते द्वेधा विभाजयितुं शक्यन्ते । एकः शारीरिकोऽपरो मानसश्च । पुनः स्वाध्यायः, श्रवणं, मननं, निदिध्यासनं समाधिश्चेति । एषु मुख्यतमः समाधिरेव यत्रात्मपरमात्मनो समाकलनं भवति परन्तु साधारणजनानां कृते तु शारीरिकेषु यथारुचि यथाशक्ति च यो यस्मै रोचते स एव परिपालनीयः ।

6. निम्नलिखित सूक्तियों में से किन्हीं ***दो*** की संस्कृत व्याख्या कीजिए :–
   (क) विद्या ददाति विनयम् ।
   (ख) जननी जन्मभूमि स्वर्गादपि गरीयसी ।
   (ग) सर्वे गुणाः काञ्चनमाश्रयन्ति ।

7. वृत्ति किसे कहते हैं ? इनके भेदों का निरूपण कीजिए ।

8. अधोलिखित में से किन्हीं आठ पदरूपों की प्रयोगसिद्धि सूत्रनिर्देश पूर्वक कीजिए :–
   चन्द्रशेखरः, गोधूमचणकम्, भेरीपटहम्, केशाकेशि, त्रिलोकी, कुम्भकारः, अनुरूपम्, प्राचार्यः, भूतपूर्वः

9. संधि विच्छेद करके किन्हीं ***आठ*** का सूत्रनिर्देश पूर्वक का नाम लिखिए :–
   अधिष्ठानम्, जगदीशः, सम्राट, यद्यपि, रामायणम्, महेश्वरः, मनोरथः, सदैव, प्रेजते

10. (i) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :–
    ज्येष्ठः, वृद्धः, अनुकूलः, अग्रजः, कृपणः, वृष्टिः, जड, गौरः
    (ii) निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :–
    चन्द्रमा, गणेश, नारी, देवता, लक्ष्मी, शम्भुः, गृहम्, जलम्

ꕥ ꕥ ꕥ